3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

बचपन के दिन भुला न देना

जादू का दोस्त

महेश सिसोदिया

मित्रो! आज हम जिस के बारे में बात करने जा रहे हैं वे आप सभी बच्चों के सबसे खास मित्र हैं और उन्हें बच्चों से बड़ा लगाव है। किसी के लिए वे जादू के दोस्त हैं तो किसी के लिए हीरो नं. १ ''क्रिश''हैं! अब शायद नाम याद आ गया होगा आपको जी हाँ! ऋतिक रोशन जिन्हें परिवार वाले प्यार से डुग्गु या भोलानाथ पुकारते थे। शायद आपको पता नहीं सर्वश्रेष्ठ अभिनय और डांसिंग करने वाले डुग्गु को बीमार रहने की वजह से डॉक्टर ने ज्यादा उछल – कूद करने का मना कर दिया था। बचपन में डुग्गु बोलने में हकलाते थे इस कारण उनके सहपाठी उन्हें चिढ़ाया व मजाक उड़ाया करते थे। अपना मजाक बनते देख वे विद्यालय में होने वाली किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लेते थे। और डरते थे कहीं उनका कोई मजाक न उड़ा दे इसी कारण कोई न कोई बहाना बना कर वे स्कूल में बच जाया करते थे। पर ऐसा कब तक चलता एक दिन उन्होंने इच्छाशक्ति के बल पर संकल्प लिया और कठिन परिश्रम के बल पर स्वयं को इस लायक बनाया और आज आप जैसे करोड़ों बच्चों और हम सभी के माता पिता के भी हीरो नं. १ बन गए हमारे डुग्गु।

बचपन में बीमार रहने की पीड़ा आज भी उनके मन में है इसलिए वे अक्सर बीमार बच्चो से मिलने अस्पतालों में जाया करते हैं और उन के साथ घण्टों बिताते हैं।

अभिनय सीखने के लिए उन्होंने कभी भी अपने पिता प्रसिद्ध अभिनेता और फिल्म निर्देशक राकेश रोशन के नाम का सहारा नहीं लिया इसलिए तो अपने पिता जी के फिल्म सेट पर उन्होंने झाड़ू–पोंछा लगाने, कलाकारों को चाय–पानी पिलाने तक का काम किया।

नाम–ऋतिक रोशन   **जन्म–१० जनवरी, १९७४**
माँ–पिंकी रोशन   **पिता – राकेश रोशन**
पत्नी– सुजैन खान   **बच्चे– रेहान, हृदान**

हमारे हीरो नं. - १ क्रिश कहते हैं-

कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता हमारी देखने की दृष्टि ठीक होना चाहिए फिर देखों हर काम सबसे बड़ा और अच्छा

यह सीखें ऋतिक भैया से

- **कोई भी कमी आत्मविश्वास से दूर की जा सकती है।**
- **परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है।**
- **बीमारों को अपनापन दो वे जल्दी स्वस्थ हो जाएगें।**
- **कोई भी काम छोटा नहीं होता उसे पूजा के भाव से करें।**

● इन्दौर